ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL
A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION
CLASS: 12

पाठ्य सामग्री

SUBJECT :Hindi DATE:13. 02 .2021

पाठ नाम - संध्या सुंदरी

1) नहीं बजती.....कुछ नहीं?

अर्थ- कवि धीरे-धीरे उतरतीसंध्या सुंदरी के बारे मेंकहते हैकि उसकेहाथों में कोई वीणा नहीं है |और न ही उसके होठों पर प्रेम भरे संगीत का कोई राग ही सुनाई पड़ता है | उसके पैरों के नूपुरों से भी रुन्न-झुन की मीठी ध्वनि भी सुनाई नहीं दे रही है | केवल चारों ओर चुप-चुप का मौन -सा शब्द गुंज रहा है |संध्या-सुंदरी केवल मनको ही प्रभावित नहीं करती ,बल्कि उसका प्रभाव पूरी प्रकृति पर दिखाई देता है |

जिस समय संध्या-सुंदरी अपनी सखी नीरवता के साथ आ रही है,उस समय वह अपनी सुन्दरता के मद में चूर है| सभी ओर व्योम मंडल,धरती,शांत सरोवर पर सोती स्वच्छ कमलिनी समूह पर एक चुप्पी- सी छाई हुई है | सागरके विस्तृत वक्ष-स्थल,पहाडो की चोटियों,हिमालय में,प्रलय के समय मेघों के समान गर्जन करनेवाली समुद्र की ऊँची-ऊँची लहरों में,धरती में,जल में,आकाश में,वायु और आग तक में मानो एक चुप्पी-सी छा गयी है| केवल एक अव्यक्त शब्द चुप गुंज रहा है | चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ है |

2)मदिरा की वह.....तब एक विहाग

कवि इन पंक्तियों में संध्या के मादक-प्रभाव के बारे में कहते है कि संध्या सुंदरी रूपी परी मादकता की नदी बहाती आती है | दिनभर के मेहनत से थके मनुष्यों को वह मस्ती का एकप्याला पिलाती है और उन्हें अपनेगोद में सुलाती है | उन्हें सपने दिखाती है| संध्या सुंदरी प्रेयसी भी है और वह संघर्ष में सक्रिय प्रेरणा देने वाली शक्ति भी |

जब संध्यासुंदरी आधी रात की निस्तब्धता में खो जाती है तब कवि के हृदय में प्रणय-भावना का संचार होने लगता है | विरह से आकुल उसकेकंठ सेविहाग-राग अनायास ही निकल पड़ता है |

प्रश्नोत्तर

1) अलसता की-सी लता किसे कहा गया है ? और क्यों? (2)

उ. अलसता की-सी लता संध्या-सुंदरी को कहा गया है | क्यूंकि वह अंबर-पथ से धीरे-धीरे उतर रही है |अलसता के कारण उसके पैर नहीं उठ पा रहे है |

2) 'ह्रदय राज्य की रानी वह करता है अभिषेक'-ह्रदय राज्य की रानी कौन है ?उसका अभिषेक कौन करता है ?(2)

उ. ह्रदय राज्य की रानी संध्या सुंदरी है |आसमान में उगा एकमात्र हँसता हुआ तारा उसका अभिषेककर रहा है |

शब्दार्थ

कमनीय-सुंदर

अनुराग-प्रेम

अमल-स्वच्छ

अलसता-आलस्य

अंबरपथ- आकाश रूपी मार्ग

आभास-बोध

अभिषेक-तिलक करना

NAME-PRITI TIWARI